सांचौर जिला निरस्त करने पर लोगों में आक्रोश, महापड़ाव की चेतावनी दी

नवगठित सांचौर जिले को रद्द करने के विरोध में आज सांचोर का बाजार बंद रहेगा

सांचौर, (निसं)। प्रदेश की वर्तमान सरकार ने पूर्व सरकार द्वारा घोषित सांचोर जिले को निरस्त कर दिया है, जिसके बाद में सांचौर जिले के लोग आक्रोशित हैं और पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने रविवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आज से महापड़ाव की चेतावनी दी। सांचोर जिले को रद्द करने के विरोध में सोमवार को सांचौर का बाजार बंद रहेगा।

पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने बताया कि डीग, खैरथल व सलुम्बर जिले जो आबादी के हिसाब से सांचौर जिले के करीब-करीब बराबर हैं। डीग जिले की भरतपुर जिले से मात्र 35 किमी दूर, खैरथल जिला अलवर जिले से मात्र 45

- **पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा**

किमी दूर व सलुम्बर जिला उदयपुर जिले से 70 किमी दूर है। जबकि सांचौर जिला जालोर जिले से 145 किमी दूर है। पूर्व सरकार द्वारा गठित रामलुभाया कमेटी ने नवगठित जिलों में दूरी व आबादी को मानकर नए जिले गठित किये थे, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा कौनसे आधार पर जिलों को निरस्त किया गया, कोई स्पष्ट नहीं है। सांचौर जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने से लोगों के सभी जिलास्तर के कार्य जल्द होने लगे व आर्थिक बोझ भी ज्यादा नहीं रहा। लेकिन भाजपा सरकार ने जिले को रद्द करके लोगों की भावना के साथ खिलवाड़ किया है, जिससे लोग आक्रोशित हैं।

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने जिला रद्द किए जाने के बाद भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सांचौर को जिला बनाया था, लेकिन भाजपा सरकार ने राजनीतिक कारणों के चलते जिले को निरस्त किया है, जिसके चलते हम जन आंदोलन करेंगे। सांचौर की दूरी जालोर से 180 किमी है, सांचौर के अंतिम गांव की दूरी 250 किमी है। ऐसे में इन गांवों के लोगों के लिए जालोर जाना मुश्किल हो जाएगा।

पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने महापड़ाव की चेतावनी दी।

नीमकाथाना जिला निरस्त करने पर लोगों में आक्रोश

पाटन, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में नवगठित जिलों के लिए किए गये निर्णयों में नीमकाथाना सहित नौ जिलों को हटाने के बाद पूरे नवगठित जिलों सहित नीमकाथाना में आमजन में आक्रोश देखने को मिला है। जिला बनाओ संघर्ष समिति ने अपना बैनर अब जिला बचाओ संघर्ष समिति में बदलते हुए नीमकाथाना के रामलीला मैदान में मिटिंग बुलाने का ऐलान कर दिया। जिला हटाने के कारण उपजे असंतोष पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने व जिला बचाने के उद्देश्य को लेकर बिना किसी राजनैतिक लालसा के दलीय राजनीति से दूर केवल जिला हटने की पीड़ा व्यक्त करने बड़ी संख्या में लोग मिटिंग स्थल पर पहुंचे व सरकार द्वारा लिए गये इस अदूरदर्शिता पूर्ण निर्णय की कड़े शब्दों में भर्त्सना की तथा आगामी रणनीति बनाने को लेकर अपने-अपने विचार रखे।

विधायक सुरेश मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिला बनाने की मांग सन् 1952 से चल रही थी। कई

जिला बनाओ संघर्ष समिति ने नीमकाथाना के रामलीला मैदान में मिटिंग बुलाई।

- **जिला बनाओ संघर्ष समिति ने अपना बैनर अब जिला बचाओ संघर्ष समिति में बदला**

प्रयासों की सुखद परिणाम सन् 2023 में कांग्रेस सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के चलते नीमकाथाना को जिला बनने के रुप में मिला। हर घर परिवार में खुशियां मनाई गई, हर गांव ढाणी में दीपावली जैसा माहोल देखने को मिला परन्तु अचानक राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा जो निवाला जनता के मुंह से छीना गया उससे सभी लोग स्तब्ध हुए जिसका परिणाम सामने है कि आज स्वप्रेरणा से बड़ी संख्या में लोग मिटिंग स्थल पर पहुंचे हैं। इसका सबसे ज्यादा दुख: युवा पीढी को है कहीं ना कहीं उनके सपने चकनाचूर हुए हैं, परन्तु मेरा सबसे निवेदन है कि अनुशासन रखते हुए गांधी के सिद्वांत अनुसार अहिंसा के रुप में हमें संघर्ष करना पड़ेगा, इसके लिए तैयार रहना है। अगर सरकार को जिला निरस्त करना था तो पहले ही कर दिया होता एक साल तक क्यों खर्च करती रही।

संघर्ष समिति के संरक्षक के.एल मीणा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि नीमकाथाना को जिले के पैनल से निरस्त कर नीमकाथाना की जनता के साथ कुठाराघात किया है। इससे बड़ा अन्याय नीमकाथाना के साथ हो ही नहीं सकता। नीमकाथाना जिला सभी मापदण्ड पूरे करने के बाद भी जिला निरस्त करना सरकार की व्यवस्था के प्रति लापरवाही की सोच को उजागर करता है। भाजपा के स्थानीय नेताओं का चुप रहना जख्मों को कुरेदने जैसा है। इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा यह निश्चय है। सभा को कान्ता प्रसाद शर्मा, सुमित मोदी, मदनलाल सैनी, राधेश्याम शर्मा, गोवर्धन तेतरवाल, कैलाश मीणा, राजेन्द्र यादव प्रधान प्रतिनिधि, सवाई सिंह मीणा, राजू महराणियां, मालाराम वर्मा पूर्व सरपंच, भोपाल सैनी, कमल सैनी डाबला, लक्ष्मण सिंह सरपंच, शिवपाल भाटी, बीरबल काजला, सुरेश यादव रामपुरा, राजवीर जाखड़, कैलाश बोपिया, मोहनलाल मीणा, बाबूलाल चौहान, जयराम सिंह, मदनलाल भावरिया, सांवरमल चौधरी, बीरबल राम ने सम्बोधित करते हुए सरकार के निर्णय की कड़े शब्दों में निन्दा की तथा संघर्ष समिति को सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मीटिंग में क्षेत्र के जिला पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं पार्षद गणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विरोध दर्ज करवाया। संघर्ष समिति की ओर से पूर्व सरपंच जवाहर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पधारे हुए सभी लोगों के साथ व्यापार मण्डल एवं सब्जी विक्रेता संघ द्वारा अनिश्चितकालिन बंद का स्वागत किया।

वृद्ध की हत्या का आरोपी अहमदाबाद से गिरफ्तार

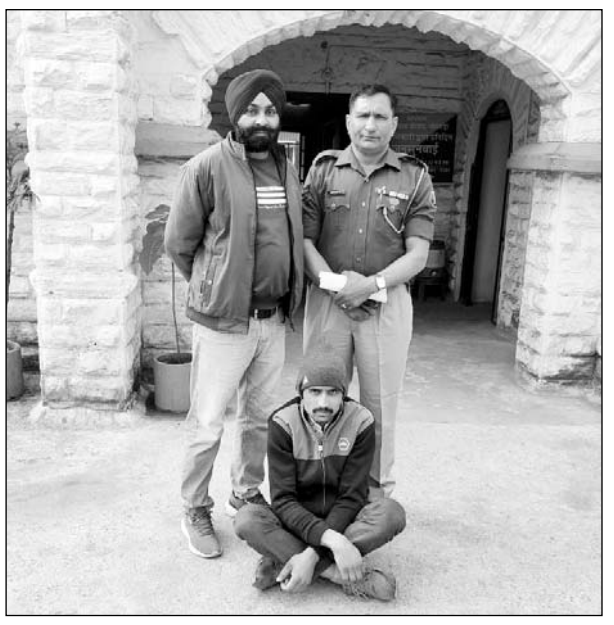

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद थाना क्षेत्र में वर्ष 2015 में हुई एक वृद्ध व्यक्ति की हत्या के मामले में दस वर्ष से फरार दो हजार रुपये के इनामी अपराधी को डीएसटी टीम ने अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। यह अपराधी जमानत पर रिहा होने के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि दिनेश पिता गोपाल खटीक निवासी मोड़ का निंबाहेड़ा द्वारा 7 अगस्त 2015 को एक लिखित रिपोर्ट दी थी, जिसमें उसने बताया कि पप्पू पिता रामेश्वरलाल दरोगा के मोबाइल से उसके पास फोन आया तो पप्पू ने बताया कि कन्हैयालाल मेरे घर पर आकर लड़ाई- झगड़ा कर रहा है, इसे ले जाओ। इस पर दिनेश अपने घर गया और काका सत्यनारायण व भाई मुकेश को बताया और तीनों भागकर पप्पू के घर पहुंचे। वहां पर देखा तो कन्हैयालाल घर में पलंग पर मृत पड़ा हुआ था। उसी घर में कृष्णा दरोगा, उमेश मुंगड़ व कृष्णा के माता-पिता रामेश्वर दरोगा व उसकी पत्नी इन लोगों को देखकर भागने लगे। दिनेश ने कहा कि मेरे भाई कन्हैयालाल को इन सभी ने षड्यंत्रपूर्वक घर पर बुलाकर कोई संदिग्ध वस्तु खिलाकर गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने अनुसंधान के दौरान

- **पुलिस ने बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया**
- **आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो हजार का इनाम भी घोषित किया गया था**

अभियुक्त उमेश पिता राधेश्याम मुंगड़ को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया। आरोपी उमेश जमानत होने के बाद फरार हो गया था। तारीख पेशी पर कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पिछले करीब 10 साल से फरार हत्या के मामले में वांछित होने से आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो हजार का इनाम भी घोषित किया गया। इसी बीच मूखबिर के जरिए आरोपी उमेश के अहमदाबाद में होने की जानकारी मिली, जिस पर डीएसटी टीम के ओमप्रकाश चौधरी और कांस्टेबल अमृत सिंह ने जतिन जैन (प्रोबेशनर) आईपीएस के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी उमेश को गिरफ्तार किया। आरोपी उमेश को आसींद पुलिस के सुपुर्द किया गया, जिसे पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया।

विशेषज्ञों ने भूजल रिसाव का निरीक्षण किया

जैसलमेर, (निसं)। जिले में मोहनगढ़ क्षेत्र में भूजल रिसाव के मामले में जिला प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर पुख्ता

- **घटनास्थल से पांच सौ मीटर का क्षेत्र निषिद्ध घोषित किया**

प्रबन्ध किए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतापसिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी कर मोहनगढ़ की सुथार मंडी के 27 बीडी क्षेत्र में पानी की अनियतंत्रित निकासी वाले बोरवेल के पांच सौ मीटर परिधि को निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर आम नागरिकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार ने बताया कि अनियंत्रित निकासी वाले बोरवेल का रविवार को केयर्न एनर्जी कंपनी के विशेषज्ञ अधिकारियों ने निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा अतिशीघ्र कारणों का अध्ययन कर रिपोर्ट दी जाएगी और इस पर नियंत्रण की उपचारात्मक कार्यवाही शुरू की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि मोहनगढ़ विकास अधिकारी द्वारा भराव क्षेत्र से पानी निकासी के लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के द्वारा जलभराव क्षेत्र में आने वाली बिजली लाइनों की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

शिल्पग्राम महोत्सव : जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र बनी

उदयपुर, (निसं)। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के बाद राजकीय शोक के कारण शिल्पग्राम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रोक दी गई है, फिर भी शहरवासियों का शिल्पग्राम के प्रति उत्साह कम नहीं हुआ है। मुक्ताकाशी मंच पर बनी पिंक सिटी जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति, यहां लगे स्टोन के राशि चिह्नों के स्कल्पचर, गवरी सहित जगह-जगह लगे स्टोन के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स और सांस्कृतिक झलक देतीं शानदार मूर्तियां आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति को देखने लोगों की भीड़ उमड़ रही है। संपूर्ण मेला क्षेत्र में पिकनिक, सेल्फी सेलिब्रेशन और शॉपिंग का खूबसूरत माहौल देखा जा रहा है।

कई आगंतुकों का मानना है कि पिछले 10-12 वर्षों में शिल्पग्राम परिसर में जनरुचि के अनुसार बहुत सारी कलाकृतियां जोड़ी गई है, जिनके कारण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बंद होने के बावजूद जनता में उत्साह न केवल बरकरार रहा, बल्कि उसमें बढ़ोतरी ही हुई है। उदयपुर के दीपक, उमेश, रघुवीर, मेघा, संगीता आदि कई मेलार्थी कहते हैं कि शिल्पग्राम उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नहीं हो रही है तो शिल्पग्राम को अच्छी तरह से देखने का अवसर मिल रहा है। केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी हेमंत मेहता ने बताया कि केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने अपने पहले कार्यकाल में दीर्घकालीन सोच और परिकल्पना के

शिल्पग्राम में मुक्ताकाशी मंच पर बना जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मुताबिक शिल्पग्राम को वर्षपर्यंत जीवंत रखने के लिए कई नवाचार किए थे जिनका लाभ केंद्र को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 50 से अधिक वाद्य यंत्र और अनेक आधुनिक मूर्तियां अलग-अलग स्थानों पर स्थापित की गई है, जो अपने आप में शिल्पकला का अद्भुत नमूना तो है ही, साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने का एक अच्छा माध्यम भी है।

हेमंत मेहता का कहना है कि आज सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है तो भी निदेशक खान की सोच के बदौलत शिल्पग्राम को कई ऐसे स्थाई आकर्षण बिंदु मिल पाए, जिन्हें देखकर लोग रोमांचित हो रहे हैं। केंद्र के सहायक निदेशक दुर्गेश चंदवानी का आकलन है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होने के कारण कला प्रेमियों में कुछ मायूसी अवश्य है, परन्तु उत्साह कम नहीं हुआ है। उनके अनुसार इसका फायदा शिल्पकारों के स्टाल्स पर खरीदारी में बढ़ोतरी में देखा जा सकता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगने वाला समय अब खरीदारी में लग रहा है।

बस में आग लगी, जनहानि नहीं

हनुमानगढ़, (निसं)। भादरा क्षेत्र में चलती बस में अचानक एक धमाके की आवाज के साथ आग लग गई। ड्राइवर ने बस को रोककर सभी यात्रियों को बाहर उतारा। बस में लगी अचानक आग से यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल को सूचना दी। भादरा थानाप्रभारी भूपसिंह सहारण ने बताया कि सुबह करीब साढ़े तीन बजे थाने में सूचना मिली कि बस में अचानक आग लग गई है। मौके पर रात्रिकालीन ड्यूटी ऑफिसर पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे। वहां जाकर देखा तो बस में पिछले टायर की साइड में आग लगी हुई थी। यात्रियों को सुरक्षित बाहर उतार लिया गया था। मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम ने दमकल को सूचना दी। सहारण ने बताया कि आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि पिछली साइड अचानक तेज धमाका होने की सूचना जरूर सामने आई है, लेकिन वो धमाका किस चीज का था, वो अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। बस में सवार एक यात्री ने बताया कि विजय ट्रैवल्स नामक कंपनी की बस यूपी के आगरा से श्रीगंगानगर जा रही थी। भादरा बस स्टैंड से थोड़ा पीछे वरदान हॉस्पिटल के पास बस में आग लग गई। यात्री तो सभी सुरक्षित उतर गए, लेकिन बस में आग लगने से डिग्गी में रखा सामान भी जलकर खाक हो गया है। यात्री ने बताया कि हमने आसपास के व्यक्तियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने भंयकर रूप धारण कर लिया। आरोप लगाया कि दमकल करीबन 50 मिनट देरी से पहुंची।

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2,ए झालाना डूंगरी,जयपुर फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362
E-Mail : secretary.rstb@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना संख्या 340 वर्ष 2024-25

एक वर्ष के लिए मण्डल मुख्यालय एवं राज्य के समस्त जिला वितरण केन्द्रों पर सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब बेसिस पर वाहन चालक, बागवान, सुरक्षा प्रहरी एवं सहायक कर्मचारी की सेवायें अनुबंध पर लिये जाने हेतु सीलबंद टू-बिड पद्धति से ई-बोली दिनांक 18.01.2025 सांय 6.00 बजे आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत राशि रूपये 220.00 लाख है। बोली से संबंधित विवरण एवं शर्तें वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व देखे जा सकते है।
UBN No. : TBB2425SLRC00065
राज.संवाद/सी/24/9665 सचिव

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास - सबको आवास
नववर्ष के इस बुधवार आवासन मण्डल से करें अपने आवास का सपना साकार
बुधवार नीलामी उत्सव
ई-बिड सबमिशन के माध्यम से
जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अलवर में
बुधवार नीलामी में जुड़े नये आवास
0-50% तक की भारी छूट पर कुल 3940 आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड
50% तक की छूट वाले आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

स्थान	स्कीम का नाम	आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड संख्या
जयपुर	महला स्कीम (फ्लैट्स) RAJ/P/2018/785	1209
अजमेर	नाका मदार	15
जोधपुर	कुडीभगतासनी स्कीम	413
	विवेक विहार स्कीम	559
		1
	मगरा योजना, बाड़मेर RAJ/P/2018/765	469
	मारवाड़ अपार्टमेंट RAJ/P/2018/757	14
कोटा (स्वतंत्र आवास)	छबड़ा	330
	सुनेल	3
	रामगंज मण्डी	16
	मंगरोल	239
	चोमेला	178
	छीपाबडोद	192
उदयपुर (स्वतंत्र आवास)	अटल नगर, भींडर	1
	गोविन्द नगर	1
	पीडीएन सुवाना	115
	हाउसिंग स्कीम सागवाड़ा	1

बिना छूट वाले आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

स्थान	स्कीम का नाम	आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड संख्या
ब्यावर	गढ़ी थोरियान	3
जयपुर	द्वारकापुरी - RAJ/P/2018/793	83
	वीकेंड होम नायला-RAJ/2018/722	9
	इन्दिरा गांधी नगर सेक्टर 4,5,8,9 & 10	1
अलवर	NEB एक्सटेंशन	21
	अरावली विहार	5
	सेक्टर 4 & 7	1
आबू रोड	आकराभाटा	1
कोटा (स्वतंत्र आवास)	नैनवा, बूंदी	11
	जेल रोड	9
उदयपुर (स्वतंत्र आवास)	साउथ एक्सटेंशन	1
	शास्त्री नगर, बांसवाड़ा	1
	हाउंसिग स्कीम, परतापुर	37

*उपरोक्त आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।
ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें।
हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्तः 9461054291/92/319 एवं 9460254319, कमल कुमावत (6376868696) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें
विस्तृत विवरण के लिये QR कोड स्कैन करें
Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in/
राज.संवाद/सी/24/9674 आवासन आयुक्त

ऐतिहासिक सुजानगंगा नहर का पानी फिर दूषित होना शुरु

पानी दूषित होने के चलते पानी में रहने वाली मछलियों के मरने की शुरूआत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की ऐतिहासिक सुजानगंगा नहर का पानी एक बार फिर दूषित हो गया है। पानी दूषित होने के चलते पानी में रहने वाली मछलियों के मरने की शुरूआत भी अब हो गई है। मछलियों के मरने के बाद उनके सड़ने से आसपास रहने वाले लोगों व राहगीरों का बदबू की वजह से निकलना मुश्किल हो रहा है।

सुजानगंगा नहर में अब से कुछ वर्ष पूर्व भी पानी में मछलियों के मरने की घटना सामने आई थी। तब हजारों मछलियों की मौत हो गई थी। जिसका कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी बताया गया था। एक बार फिर से पानी में मछलियों के मरने की घटना सामने आ रही है। नगर निगम के द्वारा पानी में मरकर ऊपर आ रही मछलियों की सफाई का कार्य भी शुरू

सुजानगंगा नहर के पानी में मरी हुई मछलियां।

कर दिया है। फिलहाल कम संख्या में ही मछलियां मरी है। ऐसे में जल्द मछली के मरने के कारणों का पता लगाकर कारणों का समाधान करने की जरूरत है। नगर निगम के द्वारा समय समय पर लाखों रूपये खर्च कर सुजानगंगा नहर में सफाई

- **मछलियों के मरने के बाद उनके सड़ने से आसपास रहने वाले लोग व राहगीर परेशान**

को लेकर विभिन्न अभियान चलाए जाते हैं। वहीं जिला प्रशासन के द्वारा भी सुजानगंगा नहर में लोगों को कूढा डालने पर सख्त रोक लगा रखी है। इसके बावजूद सुजानंगा नहर मैली होती जा रही है, जिसका खामियाजा नहर में रहने वाली मछलियों को उठाना पड़ता है। एक बार फिर से मछलियों के मरने से लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं प्रशासन के द्वारा सुजानगंगा नहर में लोगों को बोटिंग की सुविधा भी शुरू की गई है, लेकिन मछलियां मरने और उनकी दुर्गन्ध की वजह से लोगों का बोटिंग से आकर्षण कम होने लगा है। वर्ष 2013 के बाद नहर में कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया गया है। न्यायालय के आदेश नहर को प्रदूषण मुक्त करने के हैं। लेकिन नगर निगम सहित स्थानीय प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सफाई की मशीन सिर्फ ऊपरी सतह से कचरा उठाती है। पानी के अंदर सिल्ट को साफ नहीं किया गया है जो कि पानी को जहरीला बना रही है।

इस बारे में नगर निगम के एक्सईएन रतन सिंह का कहना है कि सुजानगंगा नहर से मरी व जिंदा मछली निकालने का ठेका किया है। मछली ना मरे और जिंदा रहे इसकी जिम्मेदारी मत्स्य विभाग की है।